पूर्वी दिल्ली की नहरों की सफाई एवं पुनर्वास के लिए विज्ञान - आधारित परियोजना

सु-धारा परियोजना

प्रकाशन क्रमांक 002

संवाद

ई–मेल : sudhara@vertiver.com फोन नंबर : 9599507702 दिसम्बर 2019

मिलकर बढ़ायें कदम स्वच्छता की ओर

सु–धारा परियोजना, प्रधानमंत्री विज्ञान प्रौद्योगिकी एवं नवाचार सलाहकार परिषद के अंतर्गत भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार के कार्यालय के द्वारा एक नई पहल है जो हमारे 52–क्यूसेक ड्रेन की सफाई पर केंद्रित है । सु–धारा के तहत हमारे समुदाय में कचरे के प्रबंधन के लिए उचित प्रणालियों पर अनुसंधान और जागरूकता पर काम शुरू किया जा रहा है। अनुसंधान सर्वेक्षण के परिणाम के आधार पर वैज्ञानिक तरीकों से कचरा प्रबंधन के लिए नई प्रणालियाँ शुरू और लागू करने का प्लान बनाया जाएगा जो हमें अपने आस–पड़ोस को लंबे समय तक साफ रखने के लिए और अपने कचरे के प्रबंधन के लिए एक आदर्श मॉडल बनाने में मदद करेंगे। आप इस परियोजना को अपना बहुमूल्य समर्थन देकर अपने आस–पड़ोस का ही नहीं बल्कि पूरे देश में स्वच्छता के लक्ष्य को पूरा कर रहे हैं।

विकास का आधार,
स्वच्छता में सुधार।

क्या आप कचरे के विभिन्न रूपों से परिचित हैं?

गीला कचरा

गीले कचरे में शामिल होने वाली चीजें हैं खाद्य पदार्थ, खाने के गंदे पैकेट, रसोई का कचरा, स्वच्छता (हाइजीन) उत्पाद, गीले टिस्यू पेपर तथा बगीचे के कचरे के साथ–साथ किसी भी अन्य प्रकार के गंदे एवं गीले आइटम। जो रीसाइकिल होने वाली चीजों को दूषित करते हैं।

सूखा कचरा

सूखे कचरे में शामिल होने वाली चीजें हैं प्लास्टिक की बोतलें, डिब्बे, कपड़े, प्लास्टिक की थैली, लकड़ी, कांच, धातु, रबर, थर्मोकोल, स्टायरोफोम, चमड़ा, रेक्सिन, लकड़ी और कागज। इनमे से कुछ चीजें हैं जो बिना नष्ट हुए लंबी अवधि तक पड़े रह सकती हैं।

हानिकारक कचरा

खतरनाक कचरे में वो चीजें शामिल होती हैं जो इंसान तथा पर्यावरण को सीधे नुकसान पहुंचाती हैं। जैसे पानी और विलायक आधारित पेंट, कीटनाशक तथा अन्य रसायन, बैटरी (कार, मोबाइल फोन या नियमित घरेलू बैटरी), पेट्रोल, मिट्टी का तेल, मोटर का तेल, सफाई करने वाले रसायन, स्विमिंग पूल या स्पा के रसायन, दवाएं, खराब कंप्यूटर उपकरण, थर्मामीटर, बैरोमीटर, थर्मोस्टैट, फ्लोरोसेंट ट्यूब और कॉम्पैक्ट फ्लोरोसेंट ग्लोब (सीएफएल)।

कचरे को अलग करना आवश्यक क्यों है?

कचरे के अलगाव का अर्थ मूल रूप से गीले और सूखे कचरे को अलग–अलग रखना है, ताकि सूखे कचरे को रीसाइकल किया जा सके और गीले कचरे से खाद बनाया जा सके। जिससे कचरे के सही प्रबंधन के साथ–साथ हमारे आस–पड़ोस को गंदगी तथा बीमारियों से छुटकारा भी मिल सके।

सामुदायिक विचार–विमर्श एवं नुक्कड नाटक : 17 नवम्बर, 2019

सु–धारा टीम ने ५२ क्यूसेक ड्रेन के आस–पास के स्थानों पर नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया और इसके माध्यम से लोगों को सूखा एवं गीला कूड़ा अलग करने के महत्व को समझाया। ड्रेन से संबंधित समस्याओं के बारे में सु–धारा टीम ने समुदाय के लोगों से विचार–विमर्श करते हुए सर्वेक्षण किया। इस सर्वेक्षण में लोगों ने अपनी उन सभी दिक्कतों को साझा किया जिनका वो प्रतिदिन अनुभव करते हैं। इस सर्वेक्षण से सु–धारा टीम को कचरे से संबंधित समुदाय की समस्याओं को गहराई से समझने का अवसर मिला तथा समुदाय के लोगों ने भी टीम को सहयोग करने की सहमति जताई।

Content and Design by Vertiver

जब सबने अपना स्वभाव सु–धारा
तब शुद्ध हुआ पर्यावरण हमारा।

अगर आप आस–पड़ोस में स्वच्छता से सम्बंधित काम कर रहे हैं तो आपके प्रयासों को हम इस सु–धारा संवाद के अगले प्रकाशन में उजागर करेंगे। कृपया आप ई–मेल या फ़ोन नम्बर के माध्यम से सु–धारा की टीम को संपर्क करें। ई–मेल : sudhara@vertiver.com | फोन नंबर : 9599507702